Felicitations to the Speaker

प्रधानमंत्री **(श्री नरेन्द्र मोदी) :** आदरणीय अध्यक्ष महोदय, यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं । ? (व्यवधान) आपको और इस पूरे सदन को मेरी तरफ से मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूं । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, मेरी तरफ से आपको शुभकामनाएं हैं, लेकिन इस पूरे सदन की तरफ से भी आपको अनेक-अनेक शुभकामनाएं । ? (व्यवधान) अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना, बहुत बड़ा दायित्व आपको मिला है । आपका पांच वर्ष का अनुभव और आपके साथ हम लोगों का पांच साल का अनुभव, हम सबका विश्वास है कि आप आने वाले पांच साल में हम सबका मार्गदर्शन भी करेंगे और देश की आशाएं-आकांक्षाएं पूर्ण करने के लिए इस सदन में अपना दायित्व निभाने में आपकी बहुत बड़ी भूमिका भी रहेगी । ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि विनम्र और व्यवहार कुशल व्यक्ति सफल और सहज होता है और आपको तो उसके साथ-साथ एक मीठी-मीठी मुस्कान भी मिली हुई है । ? (व्यवधान) आपके चेहरे पर यह मीठी-मीठी मुस्कान पूरे सदन को भी प्रसन्न रखती है । ? (व्यवधान)

मुझे विश्वास है, आप हर कदम पर नए प्रतिमान, नए कीर्तिमान गढ़ते आए हैं । 18 वीं लोक सभा में स्पीकर का कार्यभार दूसरी बार संभालना, यह अपने आप में एक नया रिकॉर्ड बनते हुए हम देख रहे हैं । श्री बलराम जाखड़ जी, वे पहले ऐसे अध्यक्ष थे, जिन्हें 5 साल कार्यकाल पूरा करके फिर दोबारा उन्हें स्पीकर बनने का अवसर मिला था । उसके बाद आप हैं, जिन्हें 5 साल पूर्ण करने के बाद दोबारा इस पद पर आसीन होने का अवसर मिला है । गत 20 साल का एक ऐसा कालखंड रहा है कि ज्यादातर स्पीकर्स या तो उसके बाद चुनाव नहीं लड़े हैं, या फिर जीतकर नहीं आए हैं । आप समझ सकते हैं कि स्पीकर का काम कितना कठिन है कि उसके लिए दोबारा जीतना मुश्किल हो जाता है । आप जीतकर आए हैं, यह एक नया इतिहास आपने गढ़ा है ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, इस सदन में ज्यादातर हमारे सभी माननीय सांसद आपसे परिचित हैं, आपके जीवन से भी परिचित हैं । पिछली बार मैंने इस सदन में आपके संबंध में काफी कुछ बातें रखी थीं । मैं आज उन बातों को दोहराना नहीं चाहता हूँ, लेकिन मैं एक सांसद के रूप में और हम सभी सांसद के रूप में, आप जिस प्रकार से एक सांसद के नाते काम करते हैं, यह भी जानने योग्य है और बहुत कुछ सीखने योग्य है । मुझे विश्वास है कि आपकी कार्यशैली ऐज ए सांसद भी, हमारे जो फर्स्ट टाइमर सांसद हैं, जो हमारे युवा सांसद हैं, उनको जरूर प्रेरणा देगी ।

आपने अपने कार्य क्षेत्र में, अपने संसदीय क्षेत्र में स्वस्थ माँ और स्वस्थ शिशु के लिए एक कमिटमेंट के साथ जो अभियान चलाया है और सुपोषित माँ, इस अभियान को आपने जिस प्रकार से अपने क्षेत्र में प्राथमिकता देकर खुद को इंवॉल्व करके किया है, वह वाकई प्रेरक है । आपने कोटा के ग्रामीण क्षेत्रों में हॉस्पिटल ऑन व्हील्स, यह

भी एक मानव सेवा का उत्तम काम है, जिसे राजनीतिक कामों के सिवाय करने वाले कामों में आपने किया है, वह भी अपने आप में गाँव-गाँव में लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने में मदद कर रहा है । आप नियमित रूप से गरीबों को कपड़े, कम्बल, मौसम के अनुसार छाते की जरूरत हो तो छाता, जूते आदि, ऐसी अनेक सुविधाएं समाज के आखिरी तबके के जो लोग हैं, उनको खोज-खोजकर पहुँचाते हैं । अपने क्षेत्र के युवकों को खेलों में प्रोत्साहन देना, यह काम आपने एक प्राथमिकता के रूप में उठाया है ।

आपके पिछले कार्यकाल में, 17 वीं लोक सभा में, मैं कहता हूँ कि संसदीय इतिहास का वह स्वर्णिम कालखंड रहा है, आपकी अध्यक्षता में संसद में जो ऐतिहासिक निर्णय हुए हैं, आपकी अध्यक्षता में सदन के माध्यम से जो सुधार हुए हैं, वह अपने आप में एक सदन की भी और आपकी भी विरासत है । भविष्य में 17 वीं लोक सभा के संबंध में जब विश्लेषण होंगे, उसके विषय में लिखा जाएगा तो भारत के भविष्य को नई दिशा देने में आपकी अध्यक्षता वाली 17 वीं लोक सभा की बहुत बड़ी भूमिका रहेगी ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, 17 वीं लोक सभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य बिल, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल, मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक, ट्रांसजेंडर परसन्स प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स बिल, कंज्यूमर प्रोटेक्शन बिल, डायरेक्ट टैक्स विवाद से विश्वास विधेयक आदि सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय महत्व के ऐसे कितने ही महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कानून 17 वीं लोक सभा में आपकी अध्यक्षता के अंदर इस सदन ने पारित किए हैं और देश के लिए एक मजबूत नींव बनाई है । जो कार्य आजादी के 70 साल में नहीं हुए हैं, आपकी अध्यक्षता में इस सदन ने इसे करके दिखाया है ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, लोकतंत्र की लम्बी यात्रा में कई पड़ाव आते हैं । कुछ अवसर ऐसे होते हैं, जब हमें कीर्तिमान स्थापित करने का सौभाग्य मिलता है । 17 वीं लोक सभा में उपलब्धियां, मुझे पूरा विश्वास है देश आज भी और भविष्य में उसका गौरव करेगा । आज देश अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए भारत को आधुनिक बनाने की दिशा में जब हर तरह से प्रयास हो रहे हैं, मैं मानता हूं कि नया संसद भवन भी अमृत काल के भविष्य को लिखने का काम करेगा और वह भी आपकी अध्यक्षता में । नए संसद भवन में हम सबका प्रवेश आपकी ही अध्यक्षता में हुआ और आपने संसदीय कार्य प्रणाली को प्रभावी और जिम्मेदार बनाने के लिए कई प्रभावी और महत्वपूर्ण फैसले लिए और इसलिए लोकतंत्र को मजबूती देने में मदद मिली है । लोक सभा में हम पेपर लेस डिजिटल व्यवस्था से आज काम कर रहे हैं । पहली बार आपने सभी माननीय सांसदों को ब्रीफिंग देने की व्यवस्था खड़ी की है । इससे सभी माननीय सांसदों को आवश्यक रेफरेंस मैटीरियल मिला । उसके कारण सदन की चर्चा अधिक पुष्ट हुई और यह आपका एक अच्छा इनिशिएटिव था, जिसने सांसदों में भी विश्वास पैदा किया कि ?हाँ, मैं भी कुछ कह सकता हूं, मैं भी अपने तर्क दे सकता हूं ।? आपने एक अच्छी व्यवस्था को विकसित किया ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, जी-20 भारत की सफलता का एक महत्वपूर्ण पृष्ठ है, लेकिन बहुत कम चर्चा हुई है और वह है ? पी-20 की चर्चा । आपके नेतृत्व में जी-20 देशों के जो पीठासीन अधिकारी हैं, स्पीकर्स हैं, उनका सम्मेलन आपकी अध्यक्षता में हुआ और अब तक पी-20 के जितने सम्मेलन हुए हैं, उनमें यह एक ऐसा अवसर था कि दुनिया के सर्वाधिक देश आपके निमंत्रण पर भारत आए और बहुत ही उत्तम प्रकार के निर्णय उस समिट में हुए और उसने विश्व में भारत की लोकतंत्र की जो प्रतिष्ठा है, उसे गौरव देने में बहुत बड़ा रोल अदा किया है ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, यह हमारा भवन, ये सिर्फ चार दीवारें नहीं हैं । हमारी यह संसद 140 करोड़ देशवासियों की आशा का केन्द्र है । संसद की कार्यवाही, जवाबदेही और आचरण, हमारे देशवासियों के मन में लोकतंत्र के

प्रति जो उनकी निष्ठा है, उसको और अधिक मजबूत बनाता है । आपके मार्गदर्शन में सत्रहवीं लोक सभा की प्रोडक्टिविटी 25 सालों के हाइएस्ट लेवल पर 97 प्रतिशत रही । इसके लिए सभी माननीय सदस्य तो अभिनन्दन के अधिकारी हैं, लेकिन आप विशेष अभिनन्दन के अधिकारी हैं ।

कोरोना जैसे मुश्किल कालखंड में आपने हर सांसद से व्यक्तिगत रूप से फोन पर बात करके उनका हाल पूछा । कहीं किसी सांसद की बीमारी की खबर आई तो आपने सदन के अध्यक्ष के नाते व्यक्तिगत रूप से उसकी चिंता की । सभी दलों के सांसदों से जब मुझे यह सुनने को मिलता था, तो मुझे बड़ा गर्व होता था कि जैसे आप इस सदन के परिवार के मुखिया के रूप में उस कोरोना कालखंड में भी व्यक्तिगत रूप से चिंता करते थे ।

कोरोना काल में भी आपने सदन का काम रुकने नहीं दिया । सांसदों ने भी आपके हर सुझाव को सिर आँखों पर चढ़ाया । किसी को ऊपर बैठने के लिए कहा गया तो वे वहां जाकर बैठे, किसी को दूसरी जगह पर जाकर बैठने को कहा गया तो वे भी वहां जाकर बैठे, लेकिन देश के काम को किसी ने रुकने नहीं दिया । आपने ये जो फैसले किए, उसका परिणाम है कि हम उस कठिन कालखंड में भी कार्य कर पाए । यह खुशी की बात है कि कोरोना काल में सदन ने 170 प्रतिशत प्रोडक्टिविटी की । यह अपने आप में दुनिया के लिए एक बहुत बड़ी खबर है ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, हम सब चाहते हैं कि सदन में आचरण, सदन के नियमों का पालन हम सब करें । आपने बड़े सटीक तरीके से संतुलित करके और कभी-कभी कठोरता के साथ भी फैसले लिए हैं । मैं जानता हूं कि ऐसे निर्णय आपको पीड़ा भी देते हैं, लेकिन सदन की गरिमा और व्यक्तिगत पीड़ा के बीच आपने सदैव सदन की गरिमा को पसन्द किया और सदन की परम्पराओं को बनाने का प्रयास किया । आदरणीय अध्यक्ष जी, यह साहसपूर्ण काम के लिए भी आप अभिनन्दन के अधिकारी हैं ।

आदरणीय अध्यक्ष जी, मुझे विश्वास है कि आप तो सफल होने ही वाले हैं, लेकिन आपकी अध्यक्षता में यह अठारहवीं लोक सभा भी बहुत सफलतापूर्वक देश के नागरिकों के सपनों को पूर्ण करेगी ।

मैं फिर एक बार आपको इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए और देश को विकास की नयी ऊँचाइयों पर ले जाने वाले इस सदन की अध्यक्षता के लिए हृदय से बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देता हूं, बहुत-बहुत बधाई देता हूं ।

SHRI RAHUL GANDHI (RAEBARELI): Mr. Speaker Sir, I would like to congratulate you on your successful election as the Speaker for the second time. I would like to congratulate you on behalf of the entire Opposition, on behalf of the INDIA Alliance.

Mr. Speaker Sir, this House represents the voice of India?s people, and you, the Speaker, are the final arbiter of their voice. Of course, the Government has the political power but the Opposition also represents the voice of India?s people. And this time, the Opposition represents significantly more the voice of the Indian people than it did last time.

Mr. Speaker Sir, the Opposition would like to assist you in doing your work. We would like the House to function often and well.

Mr. Speaker Sir, it is very important that cooperation happens on the basis of trust. It is very important that the voice of the Opposition is allowed to be represented in this House. I am confident that you will allow us to represent our voice, allow us to speak, and allow us to represent the voice of the people of India.

Mr. Speaker Sir, the question is not how efficiently the House is run. The question is how much of India?s voice is being allowed to be heard in this House. So, the idea that you can run the House efficiently by silencing the voice of the Opposition is a non-democratic idea. This election has shown that the people of India expect the Opposition to defend the Constitution, the Samvidhan, of this country. And we are confident that by allowing the Opposition to speak, by allowing us to represent the people of India, you will do your duty of defending the Constitution of India.

I would like to once again congratulate you Mr. Speaker Sir, and also, all the Members of this House, who have won in election.

Thank you very much.

श्री अखिलेश यादव **(कन्नौज) :** लोक सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जी को मैं बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देना चाहता हूँ । जहां प्रधान मंत्री जी और हमारे साथी, लीडर ऑफ अपोज़िशन ने आपको बधाई दी है, वहीं मैं भी उनसे जुड़ कर आपको बधाई देना चाहता हूँ । आप दोबारा इस सदन के स्पीकर चुने गए हैं । आपके पास जहां पांच साल का अनुभव रहा है, वहीं आपको पुराने और नए सदन का भी अनुभव रहा है । मैं अपनी तरफ से और अपने साथ के सभी सदस्यों की तरफ से आपको बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ । जिस पद पर आप बैठे हैं, इससे बहुत गौरवशाली परंपराएं जुड़ी हुई हैं । हम सब यही मानते हैं कि यह बिना भेदभाव के आगे बढ़ेगा और लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में आप हर सांसद तथा हर दल को बराबरी का मौका और सम्मान देंगे । निष्पक्षता इस महान पद की महान ज़िम्मेदारी है । आप लोकतांत्रिक न्याय के मुख्य न्यायाधीश की तरह बैठे हैं । हम सबकी आपसे अपेक्षा है कि किसी भी जनप्रतिनिधि की आवाज़ दबाई न जाए और न ही निष्कासन जैसी कार्यवाही दोबारा सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाए । आपका अंकुश विपक्ष पर तो रहता ही है, लेकिन आपका अंकुश सत्तापक्ष पर भी रहे ।

अध्यक्ष महोदय, आपके इशारे पर सदन चले, इसका उल्टा न हो । हम आपके हर न्यायसंगत फैसले के साथ खड़े हैं । मैं एक बार फिर आपको इस अध्यक्ष पद पर बैठने के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूँ ।

मैं इस नए सदन में पहली बार आया हूं । मुझे लगा कि हमारे स्पीकर की कुर्सी बहुत ऊंची होगी, क्योंकि मैं जिस सदन को छोड़ कर आया हूं, उसकी कुर्सी बहुत ऊंची है ।? (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मैं किसको कहूं कि यह कुर्सी और ऊंची हो जाए? जहां यह नया सदन है, वहीं मैं आपके पीठ के पीछे देख रहा हूं कि पत्थर तो सही लगे हैं, सब कुछ अच्छा लगा है, लेकिन उस दरार में मुझे कुछ सीमेंट अभी भी लगा दिखाई दे रहा है ।

अध्यक्ष महोदय, मुझे उम्मीद है कि आप जितना सत्ता पक्ष का सम्मान करेंगे, उतना ही विपक्ष का भी सम्मान करके, हमें भी अपनी बात रखने का मौका देंगे । मैं आपको बधाई देता हूं, शुभकामना देता हूं । हम हर तरीके से आपके साथ हैं । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष**:** श्री सौगत राय जी ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** श्री सुदीप बंदोपाध्याय जी ।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Sir, I congratulate you on your becoming Speaker of the House for the second time. My first entry in this Parliament was in the 12th Lok Sabha. I have gathered a long experience.

What my impression is, if there is no Leader of the Opposition officially the House does not run properly. We are glad that our country has now got a Leader of the Opposition in the Parliament.

Sir, the parliamentary democratic system, upon which we are the firm believers, depends upon secularism, communal harmony and unity of the country. It is my firm belief that somehow the floor of the House always depends on the attitude of the Treasury Benches. So far as the parliamentary democratic process is concerned, the House belongs to the Opposition. This attitude is to be adopted by the ruling party itself.

Sir, you may have your good wishes and your good intention. But sometimes, you are to bow down to the ruling party?s pressure. My experience says this. Suspension of 150 MPs in one day has happened in this House. It is not desirable.

The hon. Prime Minister has mentioned about the introduction and passing of so many Bills in the House. We appreciate that. But it has also happened that so many Bills had been passed without any discussion. I would humbly submit to you that let some positive decisions be taken so that the Bills be tabled and discussed in a proper manner. We, from the Opposition side, assure you that we will extend all sorts of cooperation so that the House can run properly and smoothly.

The Opposition has now got a better strength in this House. So, it should not be the attitude of the Treasury Benches to neglect the Opposition. I would request the hon. Prime Minister and the Treasury Benches to come up and cooperate so that the House runs smoothly and the country of 140 crores of people can actually get

some guidance and some hopes that Parliament can contribute for the welfare and benefit of the country.

This should be our motto. We want to see that the 18th Lok Sabha runs smoothly and creates a history of reaching its target by running smoothly in the interest of the nation while keeping secularism and communal harmony intact. Our Constitution should be upheld and the situation should never ever be allowed to be disturbed. Thank you, Sir.

SHRI T. R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Hon. Speaker, Sir, it is a great occasion to felicitate you once again in this Parliament. On behalf of my leader Dr. Thalapathy M.K. Stalin, an illustrious son of an illustrious leader Dr. Kalaignar M. Karunanidhi, and on behalf of my party and my party in Parliament, I wholeheartedly congratulate you on this occasion.

In fact, when you occupied the exalted Chair, I am overwhelmingly enthused to appreciate and shower love and affection on you, Sir. You might have been elected on the lotus symbol; the lotus always floats in the water but it would not allow the water to stick. It is a natural thing. Likewise, you might have been elected by my BJP friends but hereafter there should be no politics between you and this House. You do not have any colour also. There is no colour at all. You have to treat the Opposition as well as the Ruling Party in the same way. So, I would only like to request you to be kindly impartial, impartial, and impartial. Thank you.

SHRI LAVU SRIKRISHNA DEVARAYALU (NARASARAOPET): Sir, on behalf of the Telugu Desam Party, Chandrababu Naidu *gaaru*, fellow Members of Lok Sabha, five crore people of Andhra Pradesh, and on my own behalf, I congratulate you on being elected as the Speaker of this House.

It is a rare opportunity as a Speaker being elected and nominated for the second term. There were five members before you, and two were from Andhra Pradesh. They are, Neelam Sanjiva Reddy *gaaru* and Balayogi ji *gaaru*. All these five members were nominated and elected for two terms but somehow, they did not finish their five-year term but you have this opportunity to complete this ten-year term.

There were some coincidences between both of us, Sir, you being the first-time Speaker of this House and me being the first-time Member of this House in the 17th Lok Sabha. In the last five years, there were some groundbreaking things that

happened, starting from moving from the Old Parliament Building to the New Parliament Building. There were new Bills being passed starting with abrogation of Article 370, the Nari Shakti Vandan Bill, the Triple Talaq Bill which empowered the women, and also the IPC Bill. You have also encouraged the youth, the first-time Members, who came to this House, to rise up and speak on various issues in Question Hour. You have given us opportunities to ask supplementary questions, and during the Zero Hour also you encouraged us to speak as much as possible. Also, the digitalisation of the whole proceedings along with the research facilities that are available in library has been vastly improved in the last five years. I hope, it will continue in the next five years in your second term.

With regard to the Question Hour, the vigour with which you used to conduct it, you used to make sure that most of the Questions get answered in this House. You used to tell the Ministers to be crisp and answer in a pointed way. You also used to give the Members enough time to ask their questions. I hope that tradition will continue. I also remember that during the times of COVID when everyone was worried how this House would function, you made sure that it proceeded in a safe way. You had also ensured that most of the Members could express their views and raise the problems of their States.

So, I conclude by once again congratulating you, Sir, and wishing you best of times in running the House. I assure you that the Telugu Desam Party will support you in the smooth running of this House in the next five years.

Thank you very much.

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (मुंगेर): अध्यक्ष महोदय, अठारहवीं लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित होने पर मैं आपको हृदय से बधाई देता हूं । सत्रहवीं लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में हम लोगों ने आपकी कार्यशैली देखी । आपने सत्रहवीं लोक सभा में संसदीय परंपराओं और लोकतंत्र का नया कीर्तिमान स्थापित किया था । आपने सत्रहवीं लोक सभा के दौरान उच्च लोकतांत्रिक परंपराओं को स्थापित किया था । जो नये सदस्य चुन कर आते हैं, जो पहली बार संसद के सदस्य बनीं, उनको आपने मध्यरात्रि तक सदन चलाकर बोलने का मौका दिया, आपने उनको बोलने का अवसर दिया, उनमें कौशल विकसित किया ताकि वे संसद की कार्यवाही में एक कुशल सांसद के रूप में भाग ले सकें, यह कीर्तिमान आपने स्थापित किया । आपने संसद में कई दिनों तक शून्यकाल में सिर्फ महिला सदस्यों को ही अवसर दिया जिससे वे अपनी बात रख सकें, यह अपने आप में कीर्तिमान है । आपने सत्रहवीं लोक सभा में कीर्तिमान स्थापित किया । आप दोबारा अध्यक्ष बने हैं, अठारहवीं लोक सभा में भी आप उस कीर्तिमान को और ऊंचाइयों तक ले जाएंगे, इसी आशा और विश्वास के साथ मैं पुन: आपको बधाई देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं ।

श्री अरविंद गणपत सावंत **(मुंबई दक्षिण):** आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं तहेदिल से आपका अभिनंदन करता हूं । हमने आपसे पुराने सदन और नये सदन में पांच वर्ष का अनुभव लिया है । आप दोबारा न्यायाधीश जैसे पद पर विराजमान हुए हैं, मैं दिल से आपका अभिनंदन करता हूं ।

आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि कुछ कानून पास किए गए, उस कानून में एक कानून इलेक्शन कमीशन का भी पास किया गया था, वह कानून तब पास किया गया जब हम सस्पेंड हुए । जिसमें न्याय देने की प्रक्रिया होती है, कानून बनाने वाले हम हैं, वही कानून जब बदल जाता है तब संविधान की बात आती है । संविधान की सुरक्षा के लिए इंडिया एलायंस बना । मैं आपसे इतनी अपेक्षा करता हूं, खासकर जब सत्ता पक्ष बोलता है तो शब्दों में जान होनी चाहिए और शब्दों में शान भी होनी चाहिए । जो-जो वचन हमने दिए हैं, उनकी पूर्ति करनी चाहिए । हमने देखा है कि संकट काल में भी जब सरकार की तरफ से मदद नहीं मिलती है, तब बहुत बुरा लगता है । अभी हम सभी अपेक्षा करते हैं, उन्होंने सेकुलर शब्द दिया, समानता, स्वतंत्रता संविधान ने दिया है । एक अपेक्षा करता हूं What we need is harmony and not hatred. हम हार्मनी चाहते हैं, हेटरेड नहीं चाहते हैं । हम जो दीवारें खड़ी कर रहे हैं, वे दीवारें इंसानियत के नाते टूटनी चाहिए । मणिपुर में हादसा होता है और आंसू भी नहीं बहता है तो बुरा लगता है । किसान मरते हैं, इतना बड़ा आंदोलन होता है, फिर भी संवेदना व्यक्त नहीं की जाती है, इस सदन में संवेदना जतानी चाहिए, नहीं जताई जाती है तब बुरा लगता है, बेरोजगार रास्ते पर घूम रहा है फिर सदन उनको न्याय नहीं दे पा रहा है तब बुरा लगता है । किसान आत्महत्या कर रहा है फिर भी सदन न्याय नहीं दे पा रहा है ।

माननीय अध्यक्ष **:** ये बातें राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलिएगा ।

श्री अरविंद गणपत सावंत **:** मैं चाहता हूं कि इस बार इन सारी चीजों को ध्यान रखते हुए सदन चले, हमारी आवाज आपकी तरफ आ जाएगी । हम अपेक्षा करते हैं कि आप हमें अनुमति दें, यह सदन चलना ही चाहिए, इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए ।

यह सदन चलना चाहिए और सर्वसामान्य जनता को न्याय मिलना चाहिए, मैं यही अपेक्षा करता हूं । आप बहुत अनुभवी हैं इसलिए मैं अपेक्षा करता हूं कि आप संवेदना जताकर हमें न्याय देंगे और संविधान की रक्षा करने के लिए जब भी हम खड़े होंगे, तब आप हमें आशीर्वाद देंगे । जय हिंद, जय महाराष्ट्र ।

SHRIMATI SUPRIYA SULE (BARAMATI): Sir, I take this opportunity on behalf of the Nationalist Congress Party and the original founder and our beloved leader Shri Sharad Pawar ji and all of us to congratulate you on your second innings. I still remember the first day when I met you with my colleague and friend Shri Rajiv Pratap Rudy, तब मैं आपसे पहली बार मिली थी । इसके बाद जब से आप इस सीट पर विराजमान हुए, आपने हमेशा हम सबका ख्याल भी रखा है । पिछले पांच सालों में कोविड में भी आपने जिस तरह से ट्रेजरी बैंच के साथ अपोजिशन का भी ख्याल रखा, हमारे हर मैम्बर को फोन किया और हाल पूछा । कोविड के टाइम आपकी सारी टीम ने जो काम किया, जिस तरह से हाउस चला, I must take this opportunity to congratulate the entire parliamentary staff and team who really supported us in serving at that time. The entire transition from the old building to the new building happened. A lot has been done in the last five years.

आपने इन पांच सालों में बहुत अच्छा काम किया । मैं तो कभी वैल में आती नहीं हूं, लेकिन एक दुख की बात हुई कि हमारे दोस्त, 150 लोग सस्पेंड हुए । इस बात से हमें बहुत दुख हुआ । हमारी कोशिश रहेगी कि अगले पांच सालों में आप सस्पेंशन के बारे में न सोचें, बातचीत हो सकती है, हम हमेशा डायलॉग के लिए तैयार रहते हैं । हम मेघवाल जी और प्रहलाद जोशी जी के साथ पांच साल बहुत अच्छा काम कर पाए । मेरी सिर्फ नए मैम्बर्स से विनती है कि बहुत मेहनत करके हम सब यहां चुनकर आते हैं, लेकिन जब दोपहर को जब लंच टाइम होता है तो कोरम के लिए दोनों साइड से मेहनत करनी पड़ती है । So, it is a great opportunity.

I have been here a little more than most of you. I would like to request each one of you very humbly that people really look up to us ? and a very few of us are blessed to be here ? that we convert this opportunity into a great advantage for this nation, and deliver superior results from here, whichever side we sit on. The common goal is to serve the nation.

If we all spend more time here together to deliberate more, to argue more from both sides, that is to make sure that we serve India and make it a good nation, a brighter nation, because India is one of the largest democracies in the world, and any little thing that happens here affects globally. And, democracy is looked as a dark life. We did that mistake last time. I urge the hon. Treasury Benches that we are here to work, we are here to serve, and I have a hope that we have a much better and a warmer relationship. हाउस चलाना हमारी जिम्मेदारी नहीं, ट्रेजरी बैंच की होती है । मेरे ख्याल से जो नए मंत्री जी आए हैं, हमारे दोस्त रहे हैं, उनसे हम सब बहुत उम्मीद करते हैं, बहुत अपेक्षा करते हैं । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे **(**मावल**) :** माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी पार्टी शिवसेना, जो कि बाला साहेब ठाकरे जी के विचार से कार्य करती है और भारतीय जनता पार्टी से सबसे पुराने गठबंधन के साथ रहने वाली पार्टी है, इसका नेतृत्व महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री सम्माननीय एकनाथ शिंदे जी कर रहे हैं । मैं अपनी पार्टी शिवसेना और शिंदे साहब की ओर से आपको शुभकामना देना चाहता हूं ।

हिंदू धर्म में हर शुभकामना ओम से शुरू होती है और ओम को शुभ माना जाता है । आपके नाम की शुरूआत भी ओम से होती है । मैं आपको शुभकामना देना चाहता हूं । यह सदन 140 करोड़ जनता के माध्यम से विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का प्रतिनिधित्व कर रहा है । मैं छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि महाराष्ट्र से आता हूं । इस सदन में पहले अध्यक्ष महाराष्ट्र से हुए थे, माननीय गणेश वासुदेव मावलंकर जी ।

12.00 hrs

दूसरे माननीय मनोहर जोशी जी हुए थे । सुमित्रा महाजन जी व शिवराज पाटिल जी ने भी महाराष्ट्र से अध्यक्ष के रूप में कार्य किया । 16 वीं लोक सभा में मुझे माननीय सुमित्रा महाजन जी के कार्य का अनुभव मिला तथा 17 वीं लोक सभा में आपके कार्य का अनुभव मिला । यह सदन विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है । लोक सभा अध्यक्ष के रूप में 17 वीं लोक सभा में आपके द्वारा जो कार्य किया गया, मैं

मानता हूं कि वह सबसे अच्छा कार्य हुआ । मैं यह भी कहना चाहता हूं कि पिछले 10 सालों में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने जो कार्य किया है, वह सराहनीय है ।

अध्यक्ष महोदय, आपकी शुरुआत संगठन से हुई । मैं यह भी बताना चाहता हूं कि संसद में जो भी चुनकर आते हैं, वे बड़ी मुश्किलों का सामना करते हुए, मेहनत से यहां तक पहुंचते हैं । आप भी बहुत मेहनत से कार्य करते हुए यहां पहुंचे हैं । मुझे पूरा विश्वास है कि विगत् 17 वीं संसद में सबसे ज्यादा मुद्दे उठाने का मौका आपने नए सांसदों को दिया था । इस बार 281 नए सांसद आए हैं । आप ज्यादा से ज्यादा जीरो ऑवर चलाएं, सबको मौका मिले तथा आने वाले दिनों में पूरे विश्वास के साथ कार्य हो सके ।

मैं मेरी पार्टी, शिवसेना की तरफ से आपको शुभकामनाएं देता हूं । आप बहुत अनुभवी हैं और सबको लेकर कार्य करेंगे । मैं जिस क्षेत्र से आता हूं, वह जगत गुरु संत तुकाराम महाराज जी की भूमि है । आप जितने मुलायम हैं, उतना ही कठोर रूप से भी कार्य करते हैं । मैं संत तुकाराम महाराज जी की कुछ पंक्तियां मराठी में कहना चाहता हूं ।

संत तुकाराम महाराज ने कहा है, हम विष्णु भक्त वैसे तो बहुत दयालु और उदारवादी हैं, लेकिन समय आने पर वज्र जैसे कठोर भी हो सकते हैं । अच्छे लोगों की सहायता करने में हम हमेशा तत्पर रहते हैं और जो बुरे लोग हैं उनको दण्डित करने से भी कतराते नहीं है ।*

धन्यवाद, जय हिंद, जय भारत ।

THE MINISTER OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI CHIRAG PASWAN): Hon. Speaker, Sir, thank you so much. First of all, I would like to take this opportunity to congratulate you on behalf of my party - Lok Janshakti Party (Ram Vilas).

सर, आपको पुन: इस चेयर पर देखकर हम लोगों को बहुत खुशी हो रही है । 18 वीं लोक सभा में पुन: आपको यह जिम्मेदारी मिली है । हम सभी का 17 वीं लोक सभा का अपना एक अनुभव है । उस वक्त आपने महिलाओं, युवाओं तथा ऐसे सांसद, जो पहली बार चुनकर आए, उनको आपने प्रोत्साहित करने का काम किया । आपने सामने से उनको मौका देने का काम किया । मेरी पार्टी में भी इस बार महिलाओं और युवाओं की तादाद है । मैं यही उम्मीद रखूंगा कि आप उनको भी उसी तरीके से मौका देंगे । मेरे पिता, नेता आदरणीय राम विलास पासवान जी के विचारों को लेकर हमारी पार्टी आगे बढ़ने का काम कर रही है । आपने पिछले 5 सालों में इन तमाम विचारों को इस सदन में रखने का मौका दिया । इस बात को कहने में मुझे कतई संकोच नहीं है कि आपके द्वारा जो फैसले पिछले 5 सालों में लिए गए, उन्होंने संविधान की मर्यादा को बढ़ाने का काम किया और लोकतंत्र को और मजबूती दी ।

सर, हम लोग चुनाव लड़कर आ गए हैं । मैं तमाम साथियों से यही आग्रह करूंगा कि जहां चुनाव लड़ना था, वहां हम लड़ चुके हैं । अब हम सबकी जिम्मेदारी है कि अपने-अपने क्षेत्र के मुद्दों को हम यहां पर रखें और अपने देश को आगे लेकर जाने की जिम्मेदारी के साथ हम लोग यहां पर कार्य करने का प्रयास करें । आज सिर्फ आपको बधाई देने के उद्देश्य से हम लोग खड़े हुए हैं । कई बार विपक्ष के द्वारा जब कुछ बातें कही जाती हैं, तो इस संबंध में, मैं इतना आग्रह अवश्य करूंगा कि जब एक अंगुली आप किसी की तरफ उठाते हैं, तो बाकी अंगुलियां भी आपकी तरफ उठती हैं । जब आप सत्तापक्ष से अच्छे आचरण की उम्मीद रखते हैं, तो वही उम्मीद हम लोग भी

आपसे रखते हैं । कई राज्यों के उदाहरण मेरे पास हैं, जिनका मैं नाम नहीं लेना चाहता हूं, लेकिन जब आप स्पीकर के पद की बात करते हैं और डिप्टी स्पीकर के पद की बात करते हैं, तो कई राज्य ऐसे हैं, जहां पर स्पीकर व डिप्टी स्पीकर का पद भी आपके ही पास है, जहां पर एनडीए का कोई घटक दल सरकार नहीं चला रहा है और विपक्ष के दल सरकार चलाने का काम कर रहे हैं ।

ऐसे में इस उम्मीद के साथ कि अगले पाँच सालों में आपका नेतृत्व, आपका मार्गदर्शन उतनी ही खूबसूरती से हम लोगों को मिलता रहेगा, जैसे हमें पिछले पाँच सालों में मिला ।

मैं एक बार फिर से अपनी पार्टी की तरफ से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की तरफ से आपका पुन: स्वागत करता हूं । मैं आपको पिछले पाँच सालों के लिए बधाई देता हूं और अगले पांच सालों के लिए आपको शुभकामनाएं देता हूं । धन्यवाद ।

SHRI P. V. MIDHUN REDDY (RAJAMPET): Sir, thank you.

I take this opportunity, on behalf of YSR Congress Party, to congratulate you for being elected to this esteemed position.

Sir, in your previous term you conducted yourself with a lot of dignity, and I must really appreciate your dedication to uphold the values of our democracy. We wish that even in this term it is marked with success and you continue the same initiatives like you encouraged the newcomers in the last term and you gave a fair chance to everybody in this House.

We assure you our full cooperation. All the best for this tenure for you. Thank you very much.

श्री अभय कुमार सिन्हा **(**औरंगाबाद**):** धन्यवाद सर । सबसे पहले आपको प्रणाम और पूरे सदन को प्रणाम । 18 वीं लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर मैं आपको अपनी तरफ से और अपनी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल की तरफ से दिल की गहराइयों से धन्यवाद और बधाई देता हूं । मैं आपसे आशा और उम्मीद करता हूं ।

सर, मैं सदन में पहली बार चुनकर आया हूं । जब आप 17 वीं लोक सभा के अध्यक्ष थे तो मैं आपको टीवी पर देखता था और आज हमें आपको इतने नजदीक से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है । मुझे आपसे आशा और उम्मीद है कि नये सदस्यों को आपका संरक्षण निश्चित तौर से प्राप्त होता रहेगा ।

मैं पुन: आपको हार्दिक बधाई देता हूं । आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री**;** तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री **(**श्रीमती अनुप्रिया पटेल**) :** माननीय अध्यक्ष जी, 18 वीं लोक सभा के अध्यक्ष के पद पर निरंतर दूसरी बार विराजमान होने के लिए मैं सबसे पहले अपनी पार्टी ?अपना दल? की ओर से आपको बहुत-बहुत बधाई, शुभकामनाएं देती हूं और आपका बारम्बार अभिनन्दन करती हूं ।

अध्यक्ष महोदय, आज आपको निरंतर दूसरी बार इस आसन पर विराजमान होते देखकर मुझे वर्ष 1963 की एक फिल्म ?बंदिनी? का एक मशहूर गीत याद आ रहा है-

?ओ जाने वाले, हो सके तो लौट के आना, ये घाट तू ये बाट कहीं भूल न जाना ।?

आज आपको यहां देखकर इस गीत की प्रांसगिकता और भी अधिक प्रतीत हो रही है । मुझे 17 वीं लोक सभा का अंतिम दिन याद आ रहा है, जब हम सभी ने बड़े भारी मन से आपको विदाई दी थी । लेकिन, अपने शब्दों में पिरोकर, हमने अपने इसी मनोभाव को उस समय आपके समक्ष रखा था कि - ?ओ जाने वाले, हो सके तो लौट के आना? और आप लौटकर आए हैं । हम सभी आपका बहुत-बहुत अभिनन्दन करते हैं । आपको अपने बीच दोबारा इस आसन पर देखकर हम बहुत आनंदित और गौरवान्वित हैं ।

अध्यक्ष महोदय, आपसे पहले 18 अध्यक्षों में महज पाँच ऐसे अध्यक्ष रहे हैं, जिनको दूसरी बार लोक सभा का अध्यक्ष बनने का निरंतर अवसर मिला । एम.ए.अयंगार जी, डॉ. गुरदयाल सिंह ढिल्लों जी, डॉ. नीलम संजीव रेड्डी जी, डॉ. बलराम जाखड़ जी और जी.एम.सी.बालयोगी जी, लेकिन इनमें से किसी भी अध्यक्ष ने 10 वर्षों का कार्यकाल पूरा नहीं किया ।

हमें गर्व है कि आप लगातार दूसरी बार निर्वाचित होने वाले ऐसे अध्यक्ष होंगे, जो 10 वर्षों का कार्यकाल पूरा करने का रिकॉर्ड दर्ज करेंगे । लोक सभा अध्यक्षों के इतिहास में ये आपकी एक स्थायी विरासत होगी ।? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, हम सभी सांसद तो यहां केवल अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन आप पक्ष-विपक्ष और इस पूरे सदन का प्रतिनिधित्व करते हैं और इस सदन की गरिमा के साथ-साथ, आप इसकी शक्ति का भी प्रतीक हैं । 17 वीं लोक सभा का आपका जो कार्यकाल रहा है, वह तमाम उपलब्धियों से भरा हुआ रहा है ।

अध्यक्ष महोदय, आपने एक निष्पक्ष अध्यक्ष के रूप में अपनी छवि को गढ़ा है और आपके उस कार्यकाल की अनेक उपलब्धियां रही हैं, जिसका जिक्र मुझसे पूर्व के वक्ताओं ने भी किया है । मैं आपके इस कार्यकाल में यही उम्मीद करती हूं कि आपके कुशल मार्गदर्शन में तमाम और उपलब्धियों के नए अध्याय जुड़ेंगे । आपके मार्गदर्शन में पक्ष-विपक्ष, हम सभी और लोकतंत्र को मज़बूत करने का एक और सुनहरा अवसर मिलेगा । पुनः आपको बहुत-बहुत बधाई और ढेर सारी शुभकामनाएं ।

HRI E.T. MOHAMMED BASHEER (PONNANI): Sir, on behalf of Indian Union Muslim League and myself, I wish to express my heartiest congratulations to you on becoming the Speaker again.

The position of the Speaker, of course, is a unique position. The Speaker is a protector of the House and a guardian of the Members, irrespective of caste, creed or any other divide. We have to ensure justice by all means. Impartiality should be the mantra of this House. On various past occasions, the Opposition was oppressed and depressed. We all know that. That should not be repeated. The voice of the

Opposition, as correctly mentioned by the Leader of Opposition, Shri Rahul ji, should be honoured by all means.

Sir, I would like to say that we all should ensure justice, irrespective of party. Whether it is a big party or a regional party, all of them should be taken into proper consideration.

This House has given a very good message, not only to India but to the entire world. We hope that this House will again spread the message of togetherness. Let the glory of the past be maintained and secular democracy be preserved by all means.

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, आपके एक सदस्य बोल रहे हैं ।

? (व्यवधान)

SHRIMATI HARSIMRAT KAUR BADAL (BATHINDA): Sir, on behalf of my Party, Shiromani Akali Dal, I rise to congratulate you on your successful election as Speaker for the second term.

महोदय, मैं एक छोटे से राज्य की छोटी सी रीजनल पार्टी की इकलौती मेंबर हूं, जो यहां पर चौथी बार पहुंची है । मैं इस सदन में खड़े होकर इस बात की फ़िक्र करती हूं, जहां मैंने पिछले इलेक्शन में देखा है कि कई एक ऐसी पार्टियां हैं, जो राज्य में एक-दूसरे के साथ बड़े मतभेद रखती हैं, लड़ती हैं, लेकिन वे यहां पहुंचने के लिए समझौता कर बैठी हैं ।

माननीय अध्यक्ष **:** आप भाषण बाद में दीजिएगा ।

? (व्यवधान)

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल**:** महोदय, कई ऐसे लोग हैं, जो काफी समय से दूसरी तरफ थे, लेकिन अब वे कुर्सी की खातिर इधर पहुंचे हैं । मेरे कहने का मतलब है कि जब यहां पर मैं एक रीजनल पार्टी की इकलौती महिला मेंबर हूं, तो मुझे इस बात की फ़िक्र है कि न तो हम इस तरफ और न ही उस तरफ हैं, लेकिन जब मैं अपने पंजाब और पंजाबियों की आवाज़ उठाने के लिए यहां पर खड़ी होऊंगी, तो मैं आपसे यही उम्मीद करती हूं कि आप छोटी पार्टियों की तरफ, छोटी कम्युनिटीज़ की तरफ, माइनोरिटी की तरफ वही निगाह रखेंगे, जैसी निगाह आप बड़ी पार्टियों पर रखेंगे । आप हमारा संरक्षण भी करेंगे और हमें मौका भी देंगे, जितना आप पहले करते थे, उससे थोड़ा ज्यादा बढ़कर आप ?लोकतंत्र के सिद्धांत? को ज़िंदा रखेंगे । चाहे वह छोटी पार्टी हो, चाहे इकलौता मेंबर हो, लेकिन लड़ाई उतनी ही तगड़ी होती है, जितनी बड़ी पार्टियों में होती है, शायद उससे ज्यादा होती है ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** क्या आपको पहले मौका नहीं दिया गया है?

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल **:** सर, इस बार मैं रिक्वेस्ट कर रही हूं कि पहले से थोड़ा ज्यादा मौका दे दीजिए, क्योंकि एक महिला होने के नाते, मैं चौथी बार यहां पहुंची हूं, इसलिए आप हमारा ध्यान रखेंगे । मैं आपको शुभकामनाएं देती हूं और आपके प्रोटेक्शन तथा आरक्षण की आशा भी रखती हूं । आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं ।

SHRI SUNIL DATTATREY TATKARE (RAIGAD): Hon. Speaker Sir, I thank you very much for giving me this opportunity to speak in Marathi.

I would like to congratulate you on behalf of our original Nationalist Congress Party of hon. Ajitdada Pawar.

Hon. Speaker Sir, this 18th Lok Sabha has got a historical importance. Dr. Babasaheb Ambedkar ji had given us this Constitution. In the year 1962, Shri Jawaharlal Nehru ji had become the Prime Minister of India for the third time.

Now, Shri Narendra Modi ji has also become the Prime Minister of India for the third time, and we are very happy. You have also become the Speaker of the House for the second consecutive term, and that is why, I want to congratulate you.

I belong to Raigad where Chhatrapati Shivaji Maharaj was coronated, and today the 13th Scion of him is seating next to me in this House.

You extended your co-operation for the last five years, when I used to sit there on that side. I hope your kind support will continue to be given this side also.

I am sure we will get the opportunity to echo the voice of the people of Maharashtra.

I am quite hopeful that the Classical Language status would be accorded to Marathi language during your second tenure.

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, कई माननीय सदस्य अपनी बात को रखना चाहते हैं, लेकिन एक लंबी सूची है, इसलिए आप राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के समय अपनी बात रखना । मैं आप सबको पर्याप्त समय, पर्याप्त अवसर दूंगा ।

? (व्यवधान)

श्री राजेश रंजन **(**पूर्णिया**) :** सर, सिंगल सदस्यों को तो मौका देना चाहिए । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आपको पर्याप्त मौका देंगे ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय प्रधान मंत्री जी, केन्द्रीय मंत्रिपरिषद के माननीय सदस्यगण, सभी राजनीतिक दलों के नेतागण, माननीय सदस्यगण, मुझे इस महान सदन के पीठासीन अधिकारी के रूप में?

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** प्लीज, मैं आप सबको मौका दूंगा ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** ओवैसी जी, प्लीज ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप एक-एक मिनट बोलिएगा ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मैं सबको मौका दूंगा ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप लोग एक-एक मिनट में अपनी बात समाप्त कीजिएगा ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप लोग कृपया बैठ जाइए ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, मैं सभी माननीय सदस्यों को अवगत कराना चाहता हूं कि जब स्पीकर सीट से खड़े हों, तो वे कृपया बैठ जाया करें । मैं यह बात आज पहली बार कह रहा हूं और मुझे पांच साल में यह बात कहने का अवसर नहीं मिलना चाहिए ।

श्री असादुद्दीन ओवैसी ।

श्री असादुद्दीन ओवैसी **(**हैदराबाद**):** सर, मैं आपको अपनी जानिब से, पूरे मुल्क की जानिब से मुबारकबाद देता हूं और मुझे यकीन है कि आपकी पार्लियामेंट की अवाम इस बात पर फख्र कर रही है कि आप दूसरी मर्तबा इस ऐवान के स्पीकर बने हैं ।

सर, आप इस हाउस के रिपोज़िटरी हैं, कस्टोडियन हैं । मगर हकीकत यह है कि अक्सरयती जमात के पास नंबर है, मगर उनके पास अक्सरियत की ताकत नहीं है । ओपोजिशन के पास अक्सरियत की आवाज़ भी है । इसलिए मेरी आपसे गुज़ारिश है कि आप छोटी पार्टियों को मौका दीजिए और मुझे यकीन है कि आप 17 वीं लोक सभा में जिस तरह से शफ़क्कत का नज़ारा मुझ पर किया, हम छोटी पार्टियों पर किया, मैं उस समुदाय से आता हूं जो ऐवान में सिर्फ चार फीसद है, इसलिए हमें अपनी आवाज़ उठाने की इजाज़त दीजिएगा । आखिर में, मैं कहना चाहता हूं कि मुझे यकीन है कि आप वहां पर बैठे हैं तो यह ऐवान एक कीमती हीरे की तरह न सिर्फ इस मुल्क

की अवाम में बल्कि दुनिया में चमकेगा और आपके बोझ को यह सरकार डिप्टी स्पीकर बनाकर कम करेगी । इतना बोझ आप पर नहीं डालना चाहिए ।

सर, मैं आपको मुबारकबाद देता हूं । यह ऐवान ओपोजिशन और छोटी पार्टियों का भी है और हमको आप आवाज़ उठाने का मौका देंगे । इस हाउस का केरेक्टर बदल चुका है । अब बीजेपी स्टीमरोल नहीं कर पाएगी । हम आपको फिर से मुबारकबाद देते हैं । शुक्रिया सर ।

[جناب اسدالدین اویسی (حیدرآباد): ، سر، میں آپ کو اپنی جانِب سے پورے ملک کی جانِب سےمبارکباد دیتا ہوں اور مجھے یقین ہے کہ آپ کی پارلیمینٹ کی عوام اس بات پر فخر کر رہی ہے کہ آپ دوسری مرتبہ اس ایوان کے اسپیکر بنے ہیں۔

سر، آپ اس ہاؤس کے رپوزیٹری ہیں، کسٹوڈین ہیں۔ مگر حقیقت یہ ہے کہ اکثریتی جماعت کے پاس نمبر ہے، مگر ان کے پاس اکثریت کی طاقت نہیں ہے اپوزیشن کے پاس اکثریت کی آواز بھی ہے۔ اس لئے میری آپ سے گُزارش ہے کہ آپ چھوٹی پارٹیوں کو موقع دیجیئے۔ اور مجھے یقین ہے کہ آپ 17 لوک سبھا میں جس طرح سے شفقت کا نظارہ مجھ پر کیا ، ہم چھوٹی پارٹیوں پر کیا۔ میں اس طبقہ سے آتا ہوں جو ایوان میں صرف 4 فیصد ہیں۔ اس لئے ہمیں اپنی آواز اُٹھانے کی اجازت دیجیئے گا۔ آخر میں، میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ مجھے یقین ہے کہ آپ وہاں پر بیٹھے ہیں تو یہ ایوان ایک قیمتی ہیرے کی طرح نہ صرف اس ملک کی عوام میں بلکہ دنیا میں چمکے گا اور آپ کو بوجھ کو یہ سرکار ڈپٹی اسپیکر بنا کر کم کرے گی۔ اتنا بوجھ آپ پر نہیں ڈالنا چاہئیے۔

سر، میں آپ کو مبارکباد دیتا ہوں۔ یہ ایوان اپوزیشن اور چھوٹی پارٹیوں کا بھی ہے اور ہم کو آپ آواز کا موقع دیں گے۔ اس ہاؤس کا کیریکٹر بدل چُکا ہے۔ اب بی۔جے۔پی۔ اسٹیم رول نہیں کر پائے گی۔ ہم آپ کو پھر سے مبارکباد دیتے ہیں۔ شکریہ۔**]**

SHRI N.K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Thank you very much, Speaker Sir. I, on behalf of my Party, Revolutionary Socialist Party, extend hearty congratulations on your assuming the highest office of democracy, that too in the largest democracy in the world.

With your 30 years of experience in Parliament and the Legislature, that is in the Rajasthan Legislative Assembly as well as three terms in the Parliament and also five years as Speaker of this House, I firmly believe that the expertise in leadership will give fruitful results to the 18th Lok Sabha in running the House.

I would like to make some quotations. Pandit Jawaharlal Nehru referred to the Speaker as ?the symbol of the nation's freedom and liberty?. Kaul and Shakdher referred to the Speaker as ?the conscience and guardian of the House?. The Speaker is the soul and spirit of Indian democracy and the custodian of the House. Further, I would like to say that while the Government has its way in the House, it is incumbent upon the Speaker to ensure that the Opposition has its full say. I would like to urge upon the hon. Speaker Sir that the Opposition?s legitimate demands

and rights have to be protected so as to have a healthy democratic practice in our country. The independence of the Parliament has to be protected at any cost. We know that separation of powers ? Judiciary, Executive and Legislature ? is the essential ingredient, the basic character of the Constitution.

I would like to give one historic example. In 1647, King Charles I entered into the House of Commons and demanded relieving of five MPs from the House as they were guilty of treason. The then Speaker of the House of Commons, William Lenthall said and I quote: ?May it please Your Majesty, I have neither eyes to see, nor tongue to speak in this place, but as the House is pleased to direct me, whose servant I am here, and I humbly beg Your Majesty?s pardon that I cannot give any other answer than this to what Your Majesty is pleased to demand of me.? The Speaker of the House in 1647 did not even succumb to the pressure of King Charles I who had never cared about the Parliament.

I hope and believe that your expertise and experience can bring back the glory of our Parliament, the traditions and customs, and thereby protect the independence of the Parliament.

Once again, I extend my hearty congratulations on your assuming the post of the Speaker after Balram Jakhar ji for consecutive two terms. Thank you very much.

माननीय अध्यक्ष**:** आज सदन का अच्छा दिन है । पप्पू जी, आप बार-बार मत उठा कीजिए । आप सीनियर मैम्बर हैं । माननीय सदस्यगण, मैं सबसे आग्रह करना चाहता हूँ कि आज एक अच्छा दिन है । आप अपनी बात को संक्षिप्त में रख दीजिए । आपको जो कुछ भी पॉलिटिकल बात रखनी है, उसके लिए आपको राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर पर्याप्त समय और पर्याप्त अवसर मिलेगा ।

श्री अमरा राम जी ।

श्री अमरा राम **(**सीकर**):** अध्यक्ष महोदय, आप दूसरी बार इस महान सदन के अध्यक्ष पद पर आसीन हुए हैं । मैं अपनी और अपनी पार्टी ? भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की ओर से आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि इस न्याय के आसन में इस देश का जो सर्वोच्च सदन है, उसमें जनता की आवाज को प्रतिपक्ष की तरफ से सुनने में आप निश्चित रूप से अपना समय देंगे । आपने पहले राजस्थान की विधान सभा में भी अपनी जनता की आवाज उठाने का काम किया और इस सदन में आप तीसरी बार के सदस्य हैं । इस सदन के सर्वोच्च पद पर आप विराजे हैं इसलिए मैं पुन: अपनी और अपने दल की ओर से आपका आभार व्यक्त करता हूँ ।

धन्यवाद । जय हिंद ।

DR. THOL THIRUMAAVALAVAN (CHIDAMBARAM): Hon. Speaker Sir, Vanakkm. On behalf of Viduthalai Siruthaigal Party and on behalf of the INDIA bloc, I extend my

heartfelt congratulations to you, Hon Speaker Sir, for having been elected to this exalted position for the second consecutive term. There is a *Sengol,* the Sceptre on the right side of your Chair. Sengol is a symbol of power stressing the need that you should be impartial on your actions having a balanced approach. It stands as a symbol for upholding justice.

Sir, you have in the past proved to be an experienced and distinguished Speaker of this august House. Everybody is aware of the fact that you have taken ... viewpoints with a ... approach towards the ruling and the opposition sides. As always, the ruling party is a stronger one with lots of powers vested in it. This is the reason why the Opposition leaders have demanded from you today to be impartial. Several Bills were introduced by the ruling dispensation earlier. Hon Speaker Sir, only you have the power to decide on whether a Bill is a money Bill or not. But the ruling party of the previous term had misused this power. They may once again try to do so. Therefore, you should not yield to such pressure from the ruling side. I put before you as my submission that you should not bend.

Sir, by using the powers of the Lok Sabha Speaker, the statues of great leaders including Dr Bhimrao Ambedkar, Mahatma Gandhi and Mahatma Jyotirao Phule were relocated to a less significant place inside the Parliament House complex. I request you that those relocated statues of our national leaders should be shifted to their original places of installation. I once again congratulate you on your becoming the Lok Sabha Speaker for the second term. Thank you.

माननीय अध्यक्ष **:** डॉ. राज कुमार चब्बेवाल जी ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप किसी सदस्य के वकील मत बना कीजिए ।

? (व्यवधान)

DR. RAJ KUMAR CHABBEWAL (HOSHIARPUR): Thank you, Sir. I felicitate you on my behalf and on behalf of my party. People have elected a strong opposition in this House. Sir, I am grateful and today, I fondly remember ?Bharat Ratna' Babasaheb Shri Bhimrao Ambedkar ji. It is due to his efforts that today, we all are here in this august House. We are because he was. Due to him, I have got this opportunity today to represent the people of my constituency.

Hon. Speaker Sir, it would have been better if the election of hon. Speaker would not have taken place like this. The hon. Speaker should have been elected

unanimously and the hon. Deputy-Speaker should also have been elected in a similar manner. If I remember, during the tenure of late P.M., Shri Atal Bihari Vajpayee ji, Shri G.M.C. Balyogi ji, who was from the TDP, was the hon. Speaker.

HON. SPEAKER: Hon. Member, please sit down.

? (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, प्लीज बैठिए ।

? (व्यवधान)

डॉ**.** राज कुमार चब्बेवाल **:** सर, मैं आपका धन्यवाद देना चाहता हूं ।?(व्यवधान) Sir, I will conclude in one minute.

माननीय अध्यक्ष **:** डेप्यूटी स्पीकर का चुनाव कब होता होता है, कानून में पढ़ा करो ।

डॉ**.** राज कुमार चब्बेवाल **:** सर, हो या न हो, पर बना देना चाहिए था, इसमें बड़ी बात होती और आपको लोग और बधाई देते । ?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** डॉ. राजकुमार सांगवान जी ।

डॉ**.** राजकुमार सांगवान **(**बागपत**) :** महोदय, मैं आपको पुन: लोक सभा अध्यक्ष के रूप में चुने जाने की हार्दिक बधाई देता हूं । मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आपके कार्यकाल में राष्ट्र नवनिर्माण के लिए सदन में सकारात्मक चर्चा होगी और देश विकास के नए पथ पर अग्रसर होगा । मैं यह विश्वास दिलाता हूं कि सदन के सारे माननीय सदस्य इस सदन को आपके मार्गदर्शन में सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करेंगे । मैं आपको पुन: बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं ।

माननीय अध्यक्ष **:** एडवोकेट चन्द्र शेखर जी ।

एडवोकेट चन्द्र शेखर **(**नगीना**) :** सर, माइक स्टार्ट नहीं है ।

माननीय अध्यक्ष **:** आप एक सेकेंड रुका करें, एक सेंकेंड बाद माइक चालू हो जाएगा ।

एडवोकेट चन्द्र शेखर **:** ठीक है, सर ।

सर, मैं सबसे पहले आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि आप लोक सभा के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए हैं । सर, बहुत सारे माननीय सदस्यों ने आपकी तारीफ की है । मैं आपसे खुद मिला हूं । जब मुझे एक परेशानी आई, तो आपने मेरा संरक्षण किया । सर, हमारी पार्टी नई है । मैं अपने लोगों की आज़ाद आवाज हूं । मैं आपसे संरक्षण की अपील करता हूं । मैं उम्मीद करता हूं कि आप हमारा संरक्षण करेंगे । सर, मैं यह भी प्रार्थना करता हूं कि आप लोकतंत्र के रक्षक हैं । प्रकृति आपको लोकतंत्र की रक्षा करने की ताकत प्रदान करे । आज आरक्षण के जनक छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती है । मैं पूरे सदन को इस अवसर पर बधाई देता हूं । मैं आपसे आग्रह करता हूं कि वहां हमारे लोग बहुत बुरी हालात में हैं, अगर हमें मौका नहीं मिलेगा तो हम अपनी बात यहां नहीं

रख पाएंगे, तो मैं आपसे संरक्षण की अपील करता हूं । मैं पुन: आपको एवं सभी माननीय सदस्यों को बधाई देता हूं । धन्यवाद ।

श्री आगा सैय्यद रूहुल्लाह मेहदी **(श्रीनगर) :** जनाब स्पीकर साहब, मैं आपको जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉंफ्रेंस की तरफ से स्पीकर मुन्तख़ब होने पर मुबारकबाद पेश करता हूं । आपसे यह गुजारिश है कि आज के बाद आप न बीजेपी के हैं, न कॉंग्रेस के हैं और न ही समाजवादी हैं । आज के बाद आपकी सिर्फ एक ही पार्टी है, आईन-ए-हिंद, the Constitution of India. मुझे उम्मीद है कि आज के बाद आप उसके कस्टोडियन होंगे । इस हाउस को जम्हूरियत का सबसे बड़ा इदारा कहा जाता है, जम्हूरियत की मिशालें होंगी । इस हाउस में आपको इस बात से याद रखा जाएगा कि क्या आपने ट्रेजरी बेंचेज को अपोजिशन की बात को सुनने के लिए मजबूर किया या आपने अपोजिशन को खामोश किया । आपको पी-20 के लिए याद नहीं किया जाएगा । आपको याद किया जाएगा, जब इसी ऐवान में एक मुसलमान माननीय एमपी को ? कहा गया, क्योंकि वह मुसलमान है । आपने उस आवाज को, उस नाजायज आवाज को कैसे खामोश किया या आपने उन आवाजों को उठने दिया । अगर एक माननीय एमपी जो चुना हुआ नुमाइंदा होता है, अगर उसको इस हाउस में जम्हूरियत के बड़े इदारे में ? कहा जा सकता है, तो उन मुसलमानों को सड़कों पर भी ? कहा जा सकता होगा । ?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** एक मिनट, प्लीज, आप बैठिए ।

?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, यह सदन का पहला दिन है । आप बोलते समय क्या टिप्पणी कर रहे हैं, उसका ध्यान रखें । अभी कार्यकाल को देखो, उसके बाद टिप्पणी करो ।

श्री आगा सैय्यद रूहुल्लाह मेहदी **:** मैं यह गुजारिश करूंगा कि यह जम्हूरियत का सबसे बड़ा इदारा है, यहां पर ऐसी मिशाल नहीं होनी चाहिए थी और आप उसके कस्टोडियन थे । जब धारा 370 से संबंधित बिल एक मिनट में लाई गई और आधे घंटे में पास की गई ।?(व्यवधान) वह आधे घंटे में पास की गई ।?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** प्लीज, बैठिए ।

?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** इनको ज्ञान नहीं है । उस पर साढ़े नौ घंटे डिबेट हुई थी । आप बैठ जाइए ।

?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, आप बैठिये ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** एडवोकेट फ्रांसिस जॉर्ज ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, प्लीज बैठिये ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** एडवोकेट फ्रांसिस जॉर्ज जी, क्या आप बोलना चाहते हैं? आप बोलिये ।

? (व्यवधान)

ADV. FRANCIS GEORGE (KOTTAYAM): Sir, on behalf of the Kerala Congress Party, I join the hon. Prime Minister, the hon. Opposition Leader and all the other leaders in congratulating you on assuming this high post of Speaker of Lok Sabha.

In fact, you have got re-elected. We are all happy about it. We have a lot of issues to discuss in the coming days. The hon. Prime Minister said that the last five-year period under you was a golden period. I do not know how it was a golden period. Suspending of Members *en masse* and passing the Bills without discussion took place in this period. How can we call it a golden period? Unfortunately, it was not so.

Due to paucity of time, I am not flagging many issues. We have a lot of issues to discuss in the coming days. We have issues relating to the farmers ? (*Interruptions*) Sir, let me complete. I would like to tell you one thing. There may be parties of one Member or two Members. Please do not show a neglecting attitude towards us. We should also get time to air our views ? (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** आप बैठिये ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** श्री बालाशौरी वल्लभनेनी जी, आप बोलिये ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप मर्यादा से बोलोगे तो बोलने देंगे । अमर्यादित बोलने का मौका नहीं देंगे । हाउस ऐसे नहीं चलेगा ।

श्री बालाशौरी वल्लभनेनी जी ।

SHRI BALASHOWRY VALLABHANENI (MACHILIPATNAM): Sir, on behalf of my JanaSena Party President, Shri Pawan Kalyan *Garu* and on my own behalf, I express my heartfelt congratulations and best wishes to you on your election as Speaker of this prestigious House.

Sir, I am confident; my Party is confident; the House and the 140 crore people of this country are confident that you will accomplish a great deal as Speaker of this House.

This is my third term as Member of this House. I am here because of my leader, Shri Pawan Kalyan *Garu*. I sincerely thank and express my gratitude to him for giving me this opportunity.

Shri Pawan Kalyan *Garu* is a star in AP and as the hon. Prime Minister rightly said during the NDA meeting in the Central Hall of Samvidhan Sadan that यह पवन नहीं आंधी है । It is true. He is a toofan in Andhra politics. Shri Pawan Kalyan *Garu* has made a record in the history of independent India. JanaSena Party is the only party in the county since Independence that got one hundred per cent strike rate both in the Lok Sabha and in the Assembly elections? (*Interruptions*) The JanaSena Party fought in 21 Assembly seats and two Lok Sabha constituencies. It won in all the 21 Assembly seats ? (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, प्लीज बैठिये ।

श्री राजेश रंजन जी ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** बालाशौरी जी, आप प्लीज बैठ जाइये । आपका कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जा रहा है ।

? (व्यवधान) ?

माननीय अध्यक्ष **:** श्री राजेश रंजन जी, क्या आप बोलना चाहते हैं?

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** बालाशौरी जी, आप प्लीज बैठ जाइये ।

? (व्यवधान)

श्री राजेश रंजन **(**पूर्णिया**) :** अध्यक्ष जी, न्यायाधीश की सर्वोत्तम और सर्वश्रेष्ठ, गौरवपूर्ण व गरिमामयी कुर्सी पर आज आप पुन: हम सब के गार्जियन के रूप में आए हैं । देश के स्वाभिमान, सम्मान, अभिमान और संविधान की स्वतंत्रता को बनाये रखने के लिए आप हम सब के बीच दोबारा स्पीकर के रूप में आए हैं । मैं हृदय की गहराइयों से आपको बधाई देता हूं । मैं सिर्फ एक ही लाइन कहूंगा । मैं इस देश के उस संरक्षण वाले हर समाज, वर्ग और समूह व्यवस्था की स्वतंत्र आवाज हूं । मैं हमेशा अपेक्षा रखूंगा कि आप बिहार के साथ-साथ संविधान और स्वतंत्र आवाज को संरक्षण देंगे । मैं सिर्फ एक लाइन कहूंगा कि मैं इस देश का निर्भीक, स्वतंत्र, बिना भय में जीने वाला व्यक्ति हूं ।

मजबूत नेतृत्व के साथ, यह जो समूह है, ? (व्यवधान) आप मेरी बात सुन तो लीजिए ।? (व्यवधान) एक मजबूत नेता के रूप में, स्वतंत्र, निष्पक्ष और सच्चाई के रास्ते पर, इंडिया गठबंधन के रूप में विपक्ष के मजबूत नेता आदरणीय राहुल गांधी जी और एनडीए घटक के सभी नेताओं के भीतर इस देश के विपक्ष की आवाज़ सिर्फ उसकी लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए है । आप नैतिकता के मूल्यों के सर्वश्रेष्ठ कुर्सी पर विराजमान हैं । हमें उम्मीद है कि नैतिकता के मूल्यों का ह्रास नहीं होगा । आप इस देश के सर्वश्रेष्ठ संविधान की रक्षा करेंगे और आप हम सबको भी संरक्षण देंगे ।

बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री राजकुमार रोत **(**बांसवाड़ा**) :** सर, आपको इस पद पर शोभान्वित होने के लिए मेरी ओर से खूब-खूब बधाई, लाख-लाख जोहार ।

मैं भारत आदिवासी पार्टी की ओर से आता हूँ । मेरी पार्टी, पूरे आदिवासी समुदाय तथा मेरे निर्वाचन क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक वर्ग की तरफ से, विशेषकर राजस्थान की जनता इससे बहुत खुश है क्योंकि उनको उम्मीद थी, राजस्थान को उम्मीद थी कि लोक सभा अध्यक्ष के रूप में वह आपको दोबारा देखना चाहती थी । पूरे राजस्थान की जनता इससे खुश है । मैं उम्मीद करूँगा, हमारी जो क्षेत्रीय पार्टी आई है, हम पहली बार इस सदन में आए हैं । मैं राजस्थान विधान सभा में सदस्य के रूप में था, उस दौरान मैंने आपको देखा था । उस समय मैंने विचार किया था कि हम कभी जरूर दिल्ली जाएंगे और आज मुझे यह अवसर मिला ।

मैं पुन: मेरी पार्टी और मेरे निर्वाचन क्षेत्र की जनता की जनता को धन्यवाद देना चाहूँगा । मेरी पार्टी और हमारे गोविन्द गुरु महाराज, संत सुरमाल महाराज और मावजी महाराज के भक्तगणों की ओर से आपको पुन: बधाई देता हूँ ।

धन्यवाद । जोहार ।

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय प्रधानमंत्री जी, केन्द्रीय मंत्री परिषद के सभी माननीय सदस्यगण, सभी दलों के नेतागण, सभी माननीय सदस्यगण;

मुझे पुन: इस महान सदन के पीठासीन अधिकारी के रूप में दायित्व निर्वहन करने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ ।

मैं माननीय प्रधानमंत्री जी और सभी दलों के नेताओं और माननीय संसद सदस्यों का, जिन्होंने मेरे प्रति विश्वास व्यक्त किया, उसके लिए भी मैं आपका आभारी हूँ ।

18 वीं लोक सभा का चुनाव दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का उत्सव था । इस उत्सव में भौगोलिक विविधताएं, प्रतिकूल मौसम आदि अन्य चुनौतियों के बावजूद जिस सक्रियता से 64 करोड़ से भी ज्यादा मतदाताओं ने भाग लिया, मैं सदन की ओर से, उनके और देश की जनता के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ ।

मैं निर्वाचन आयोग, जिसने निष्पक्ष, निर्विवाद एवं पारदर्शी तरीके से निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न कराई, दूर-दराज के इलाकों में भी एक मत को मतदान करने के लिए उन्होंने जो प्रयास किया, इसके लिए मैं निर्वाचन आयोग को धन्यवाद देता हूँ ।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनी है । पिछले एक दशक में जनता की अपेक्षाएं, आशाएं और आकांक्षाएं बढ़ी हैं । इसलिए हम सबका दायित्व हो जाता है कि हम उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को प्रभावी तरीके से पूर्ण करने के लिए सामूहिक प्रयास करें ।

माननीय सदस्यगण, 18 वीं लोक सभा हमारे एक नए विज़न, नए संकल्प की सभा होनी चाहिए । 18 वीं लोक सभा हमारे रचनात्मक चिंतन एवं नूतन विचारों की सभा होनी चाहिए, जिसमें उच्च कोटि की संसदीय परंपरा स्थापित हो, पक्ष?प्रतिपक्ष की मर्यादित सहमति?असहमति की अभिव्यक्ति हो । देश के समक्ष ज्वलंत मुद्दों पर सार्थक चर्चा? संवाद हो और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की इच्छाशक्ति के साथ यह सभा काम करें ।

माननीय सदस्यगण, मैं इस अवसर पर मेरे पूर्ववर्ती पीठासीन अधिकारियों को भी स्मरण करना चाहता हूं, जिन्होंने अपनी कार्यकुशलता से इस सदन की दक्षता को, इसकी मर्यादा को, इसकी परंपरा को और इसकी गरिमा को प्रतिष्ठा देने का पूरा प्रयास किया । मुझे भी पांच वर्ष पीठासीन अधिकारी के रूप में यह गौरव प्राप्त हुआ ।

मैंने कोशिश की कि सभी सदस्यों को पर्याप्त समय, पर्याप्त अवसर मिले । मुझे खुशी है कि सदन की प्रोडक्टिविटी भी उच्चतम रही और संसदीय परंपराओं और परिपाटियों का भी हमने उच्च प्रतिमान स्थापित किया ।

मुझे प्रसन्नता है कि इस लोक सभा में 281 माननीय सदस्य पहली बार चुनकर आए हैं । मैं सदन की ओर से उनका अभिनन्दन करता हूं । ? (व्यवधान) मुझे आशा है कि निर्वाचित सदस्य सदन के नियमों, परंपराओं और परिपाटियों का गहन अध्ययन करेंगे और अपने वरिष्ठ सहयोगियों के अनुभवों का लाभ उठाकर श्रेष्ठ संसदीय परंपराओं का पालन करेंगे ।

माननीय सदस्यगण, संसद के इस नए भवन में कई ऐतिहासिक कानून भी पारित हुए हैं । ऐतिहासिक निर्णय भी हुए हैं, जिनका बरसों तक हम इंतजार कर रहे थे । नारी शक्ति वंदन विधेयक पारित हुआ और उन्होंने खुद को नेतृत्व में भागीदारी देने का निर्णय किया । उसके साथ कई मुद्दों पर चर्चा हुई और कई महत्वपूर्ण विधेयक भी पारित हुए ।

यह वर्ष हमारे संविधान निर्माण की यात्रा का 75 वां वर्ष है । मैं, संविधान निर्माण में भूमिका निभाने वाले उन सभी मनीषियों को नमन करता हूं, जिन्होंने दलगत भावनाओं से, निजी विचारधाराओं से ऊपर उठकर प्रत्येक बिंदु पर गहन अध्ययन, विचार-विमर्श, चर्चा-संवाद करके एक ऐसा संविधान बनाया, जो आज भी हमारा मार्गदर्शक है ।

मैं आप सभी से आग्रह करना चाहता हूं कि 18 वीं लोक सभा में भी हम उन महान संविधान निर्माताओं को स्मरण करते हुए राष्ट्र हित में, लोक कल्याण में ऐसी नीतियां बनाएं, ऐसे कानून बनाएं, जिनसे समाज के शोषित-पीड़ित और वंचित वर्ग का उत्थान हो सके और अंतिम व्यक्ति के जीवन में सामाजिक-आर्थिक कल्याण हो सके ।

मैं इस अवसर पर माननीय प्रधान मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं, आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जिनके मार्गदर्शन में इस देश के अंदर संविधान दिवस मनाने की श्रेष्ठ परंपरा शुरू हुई । संविधान पर चर्चा हुई, डिबेट हुई और साथ ही साथ माननीय प्रधान मंत्री जी ने सभी राज्यों के पीठासीन अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने

राज्य में ?Know Your Constitution? ड्राइव शुरू करें, ताकि हमारी युवा पीढ़ी संविधान को जाने, संविधान को समझे और संवैधानिक कर्तव्यों और दायित्वों को निभाते हुए देश के विकास में सक्रिय योगदान दे ।

मेरी कोशिश रहेगी कि मैं सभी माननीय सदस्यों को पर्याप्त समय, पर्याप्त अवसर दूँ । यह संसद सभी पक्षों के विचार वाली सभा है । सभी पक्षों के विचार यहाँ पर आने चाहिए । सहमति, असहमति हमारे लोकतन्त्र की ताकत है । हम अलग-अलग विचारधाराओं से चुनकर आते हैं, लेकिन अलग-अलग विचारधाराओं के बाद भी देश सबसे सर्वोपरि है । मुझे आशा है कि अपने-अपने दल की विचारधारा और जिन मुद्दों पर असहमति होगी, आप जोर से असहमति व्यक्त करेंगे । जहाँ पर आप विधेयक पर सकारात्मक रूप से चर्चा करते समय सुझाव देंगे, मेरी सरकार से भी अपेक्षा रहेगी कि उन सुझावों को शामिल करें । पक्ष और विपक्ष, दोनों से मिलकर सदन चलता है । भारत के लोकतन्त्र की ताकत यही है कि सबकी बात सुनी जाए और सबकी सहमति से सदन चले । मेरी अपेक्षा रहेगी कि मैं सबकी सहमति से सदन चलाऊँ । एक दल का व्यक्ति हो, उसको भी पर्याप्त समय, पर्याप्त अवसर मिलेगा, क्योंकि देश की जनता ने उनको चुनकर भेजा है । मैंने पिछले कार्यकाल में कोशिश की कि पहले सत्र में सभी माननीय सदस्यों को बोलने का अवसर दिया जाए । जो माननीय सदस्य नहीं बोलना चाहते थे, उनको भी आग्रहपूर्वक बुलाया और उन्होंने अपनी बात सदन में रखी । मैं कोशिश करूँगा कि उन्हीं भावनाओं से आप सबका मत/विचार सदन में आए और मैं निष्पक्ष रूप से सदन का संचालन कर सकूँ, लेकिन मेरी अपेक्षा रहेगी कि निर्बाध रूप से सदन चले । यह मेरी आप सभी से अपेक्षा रहेगी । हम सब लोग यहाँ पर चुनकर आते हैं और जनता की बहुत अपेक्षाओं से चुनकर आते हैं । इसलिए मैं बार-बार आग्रह करता हूँ कि सदन में गतिरोध नहीं होना चाहिए । सदन में आलोचना हो, विचार व्यक्त हों, अभिव्यक्ति हो, लेकिन गतिरोध सदन की परम्परा नहीं है । वेल में आना सदन की परम्परा नहीं है । मेरी कोशिश रहेगी कि जो संसदीय मर्यादा है, उसका पालन करने की जिम्मेदारी आपने मुझे दी है और मैं उसका पालन करूँगा । मैं कभी माननीय सदस्यों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करना चाहता । आप सब भी यह चाहते हैं कि सदन की उच्च कोटि की परम्पराएं, परिपाटियाँ लागू रहें । इसके लिए मुझे कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं । इस 18 वीं लोक सभा में मेरी अपेक्षा रहेगी कि हम सब लोग बहुत अच्छा संवाद करें, उच्च कोटि का संवाद करें, चर्चा करें, जैसी इस सदन की परम्परा रही है कि यहाँ पर उच्च कोटि का संवाद, चर्चा हुई है । मेरी कोशिश रहेगी कि उसी तरीके की चर्चा/संवाद हो । संसद में विरोध और सड़क के विरोध में अन्तर होना चाहिए । हमें जनता ने संसद के लिए चुनकर भेजा है । इसलिए मेरी अपेक्षा रहेगी कि हम विरोध के तरीके को संसद की मर्यादा के अनुरूप अपनाएं ।

मैं पुन: सभी माननीय सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूँ । मैं विशेष रूप से आग्रह करता हूँ कि लोकतन्त्र और इस सदन का गौरव बढ़ाने के लिए आप सब सामूहिक प्रयास करेंगे । हमें लोक सेवा का जो अवसर मिला है, हम उसका अधिकतम उपयोग करेंगे ।

मैं 18 वीं लोक सभा के इस अन्तरिम काल के सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन के लिए हमारे माननीय प्रोटेम स्पीकर श्री भर्तृहरि महताब जी, सभापति तालिका के सदस्य माननीय राधा मोहन सिंह जी एवं फग्गन सिंह कुलस्ते जी का भी आभार व्यक्त करता हूँ ।

मैं लोक सभा के महासचिव और सचिवालय के सभी कर्मचारियों की समर्पित सेवा के लिए उनको धन्यवाद देता हूँ ।

मैं आशा करता हूँ कि जो विचार आपने व्यक्त किए हैं, हम सब मिलकर इस 18 वीं लोक सभा में इस सदन की गरिमा और प्रतिष्ठा को बढ़ाएंगे ।

धन्यवाद ।

जय हिन्द ।

12.55 hrs